



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 274]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 21, 2017/आश्विन 29, 1939

No. 274]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 21, 2017/ASVINA 29, 1939

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2017

**रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा प्रकाशित 28.09.2016 की राजपत्र अधिसूचना सं. 2016/ई(जीआर)/1/18/4, भाग-I, खंड-1 में इंजीनियरी सेवा परीक्षा 2017 संबंधी नियम अधिसूचित किए गए हैं।**

**फा. सं. 2016/ई(जीआर)/1/18/4.**—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा प्रकाशित रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की दिनांक 28.09.2016 की अधिसूचना सं. 2016/ई(जीआर)/1/18/4, भाग-I, खंड-1 जिसमें इंजीनियरी सेवा परीक्षा 2017 संबंधी नियम अधिसूचित किए गए हैं, में एतद्वारा निम्नलिखित शुद्धियां की जाती हैं:—

**पृष्ठ 25 पर पैरा 2 नोट (1): (क) परिशिष्ट-II में**

**निम्न को**

किन्तु शर्त यह है कि यदि उम्मीदवार को "तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत सेवाओं के संबंध में हाई मायोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नेत्र विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को संदर्भित किया जाएगा जो घोषणा करेंगे कि यह मायोपिया रोगात्मक है या कि नहीं। यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि संबंधी अपेक्षाएं पूरी करें।

**से प्रतिस्थापित किया जाता है**

किन्तु शर्त यह है कि यदि उम्मीदवार को "तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत सेवाओं के संबंध में हाई मायोपिया के कारण अयोग्य पाया जाए तो यह मामला तीन नेत्र विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को संदर्भित किया जाएगा जो घोषणा करेंगे कि यह मायोपिया रोगात्मक है या कि नहीं। यदि यह रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को **गैर-तकनीकी सेवाओं** के लिए योग्य घोषित कर दिया जाएगा बशर्ते कि वह अन्यथा दृष्टि संबंधी अपेक्षाएं पूरी करें।

**पृष्ठ 25 & 26 पर नोट (1): (ख) परिशिष्ट-II में**

**निम्न को**

(ख) मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में, जांच करनी चाहिए और उसके नतीजे को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने की और उसके उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

**से प्रतिस्थापित किया जाता है**

(ख) मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में, जांच करनी चाहिए और उसके नतीजे को रिकार्ड किया जाना चाहिए। यदि उम्मीदवार की रोगात्मक अवस्था हो जिसके बढ़ने की और उसके उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर असर पड़ने की संभावना हो तो उसे **सभी श्रेणियों के लिए** अयोग्य घोषित कर देना चाहिए।

उपर्युक्त के अलावा, 28.09.2016 को सरकार द्वारा जारी शेष अधिसूचना में कोई परिवर्तन नहीं है।

चेतन प्रकाश जैन, कार्यपालक निदेशक (जीसी)

**MINISTRY OF RAILWAYS**

(Railway Board)

**CORRIGENDUM**

New Delhi, the 18th October, 2017

**Gazette Notification No. 2016/E(GR)/I/18/4, Part-I, Section-1, dated 28.09.2016 published by the Ministry of Railways (Railway Board), notifying the Rules of Engineering Services Examination 2017.**

**F. No. 2016/E(GR)/I/18/4.**—In the Ministry of Railways (Railway Board) Notification No. 2016/E(GR)/I/18/4, Part-I, Section-1, dated 28.09.2016 published by the Ministry of Railways (Railway Board), notifying the Rules of Engineering Services Examination 2017, the following Corrigendum is hereby made:—

**Para 2 under NOTE(1) (a) at page 88 in Appendix-II**

**Following**

“Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as “Technical” is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special boards of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is Pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit provided he fulfills the visual requirements otherwise.

**is substituted with**

“Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as “Technical” is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three Ophthalmologists to declare whether this myopia is Pathological or not. In case it is not pathological the candidate shall be declared fit **for non-technical services** provided he fulfills the visual requirements otherwise.

**Para (b) under NOTE(1) at page 88 in Appendix-II**

**Following**

(b) In every case of myopia funds examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

**is substituted with**

(b) In every case of myopia funds examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit **for all categories**

Besides the above, rest of Notification dated 28.09.2016 issued by the Government, will remain unchanged.

CHETAN PRAKASH JAIN, Exec. Director Estt. (GC)